ये अव्यक्त इशारे

कम्बाइण्ड रूप की स्मृति से सदा विजयी बनो

25-04-2025

सेवा के क्षेत्र में जो भिन्न-भिन्न प्रकार के स्व प्रति वा सेवा के प्रति विघ्न आते हैं, उसका भी कारण सिर्फ यही होता है, जास्वयं को सिर्फ सेवाधारी समझते हो लेकिन ईश्वरीय सेवाधारी हूँ, सिर्फ सर्विस पर नहीं लेकिन गॉडली सर्विस पर हूँ -इसी स्मृति से याद और सेवा स्वत: ही कम्बाइन्ड हो जाती है।

Remain constantly victorious with the awareness of the combined form

The reason for all the different types of obstacles that come to you and service is only this: that you consider yourself to be just a server. However: "I am a Godly server. I am not just on service, but I am on Godly service." With this awareness, remembrance and service automatically become combined.